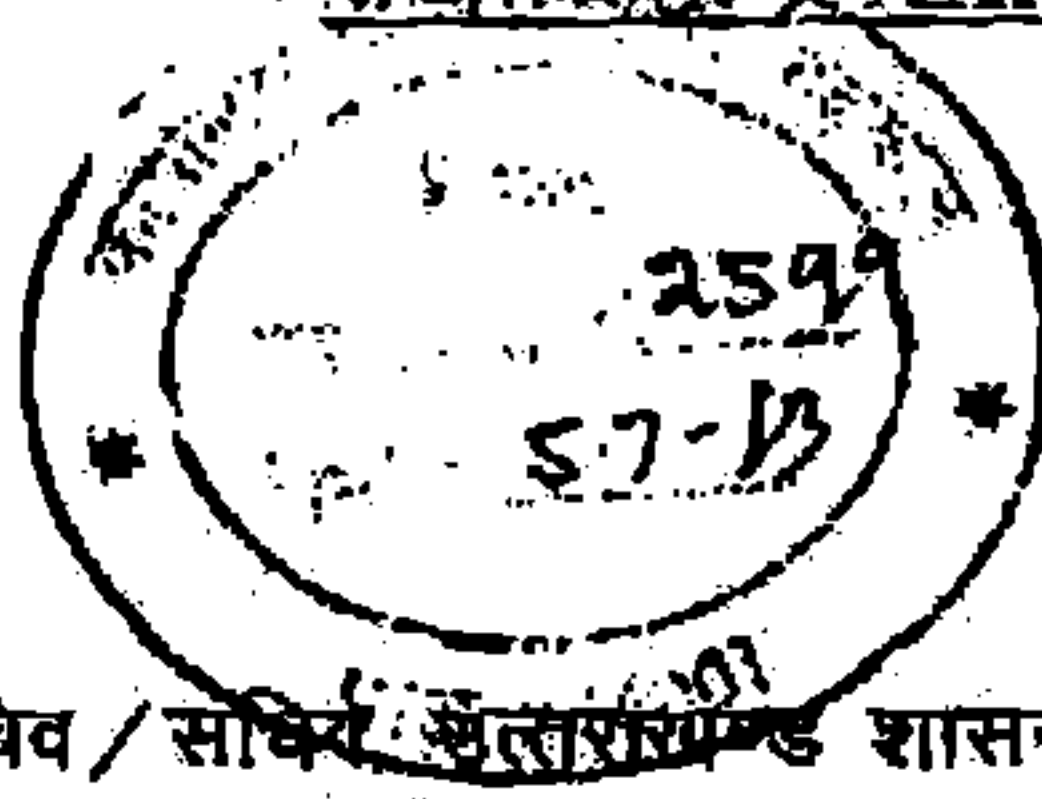


प्रेषक,

सुरेन्द्र सिंह रावत,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।



02/11/13  
संख्या 400/344-1  
महोदय!

जिलाधिकारी

भारत

सेवा में,

1. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।

सामान्य प्रशासन विभाग

देहरादून: दिनांक 1/7 जून, 2013

विषय: शासकीय पत्र व्यवहार में पत्रों में हस्ताक्षर के नीचे केवल पदनाम लिखना  
अथवा हस्ताक्षर के नीचे नाम तथा पदनाम न लिखकर कृते कार्यालयाध्यक्ष  
लिखना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सन्दर्भ में शासन के पत्र संख्या: 3617/XXXI(13)G/2013-166(सा0)/2013 दिनांक 02.11.2012 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे जिसके माध्यम से सभी सरकारी सेवकों को शासकीय पत्र-व्यवहार करते समय पत्र/आख्या के नीचे सरकारी सेवकों के हस्ताक्षर के नीचे स्पष्ट नाम, पदनाम अवश्य अंकित किये जाने हेतु कड़े निर्देश निर्गत किये गये थे किन्तु स्पष्ट निर्देशों के पश्चात भी शासन के संज्ञान में आया है कि कतिपय सरकारी सेवक उक्त निर्देशों का पालन समुचित रूप से नहीं कर रहे हैं।

2- अतः इस सन्दर्भ में शासन को पृष्ठांकित प्रभारी अधिकारी-सं0का0, जनपद-हरिद्वार के पत्र संख्या-779/रा0सहा0 दिनांक 16.06.2013 की छायाप्रति प्रेषित करते हुये मुझे पुनः यह कहने का निर्देश हुआ है कि कृपया शासकीय पत्र-व्यवहार करते समय कार्यालयाध्यक्ष की ओर से भेजे जाने वाले पत्रों में प्रेषित करने वाले अधिकारी का हस्ताक्षर, नाम व पदनाम स्पष्ट रूप से अंकित किया जाय तथा इस संबंध में निर्गत उपरोक्त शासनादेश दिनांक 02.11.2012 में दिये गये दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुये संलग्न पत्र में इंगित दृष्टान्त की भविष्य में पुनरावृत्ति न होना भी सुनिश्चित करें।

संलग्नक-यथोपरि

भवदीय,

(सुरेन्द्र सिंह रावत)  
सचिव।

संख्या: 2/20/XXXI(13)G/2013-166(सा0)/2013 तददिनांकित।

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
2. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।

आज्ञा से,

(एस0 एस0 वल्लिया)  
संयुक्त सचिव।